# दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
## गोरखपुर-273001
(नैक प्रत्यायित 'B++' श्रेणी)
*सम्बद्ध*
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in


दिनांक : 27.03.2025

**प्रकाशनार्थ**

**दिनांक 27.03.2025 गोरखपुर। दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के द्वारा कॅरियर तथा स्वास्थ्य परामर्श का आयोजन किया गया। जिसमें प्रो. मंजू मिश्रा, प्राचार्य, बापू स्नातकोत्तर महाविद्यालय, पीपीगंज, गोरखपुर तथा डॉ. जे.के. मिश्रा, चिकित्सा अधिकारी, गोरखनाथ चिकित्सालय, गोरखनाथ, गोरखपुर के द्वारा बी.ए. भाग एक, दो तथा तीन के विद्यार्थियों का कॅरियर तथा स्वास्थ्य समस्याओं को लेकर परामर्श दिया गया। जिसमें विभाग के 135 विद्यार्थियों ने अपनी समस्याओं तथा शंकाओं का समाधान प्राप्त किया।**

**उक्त कार्यक्रम के अवसर पर प्रो. मंजू मिश्रा ने कहा कि आज के युवा केवल सफलता से** आकर्षित होते हैं जबकि उसके पीछे किए गए संघर्षो और मेहनत को नहीं जानते जिसके चलते वह अपने लक्ष्य को पाने से पूर्व ही भ्रमित हो जाते हैं। मोबाइल फोन और सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म युवाओं में इस भ्रम को बढ़ाने में सहायता प्रदान कर रहे हैं। युवा इन आधुनिक तकनीकों का प्रयोग अपने ज्ञान तथा क्षमता को बढ़ाने में कर सकते हैं लेकिन इन तकनीकों का प्रयोग अपने कीमती समय को बर्बाद करने में ज्यादा कर रहे हैं। उन्होंने नीरज चोपड़ा के ओलंपिक स्वर्ण पदक प्राप्त करने की घटना का उल्लेख करते हुए कहा कि ओलंपिक में स्वर्ण पदक प्राप्त करना मात्र कुछ मिनटों का कार्य था। लेकिन इसके लिए कई सालों की मेहनत और प्रयास छुपा हुआ था। इस लिए युवाओं को सफलता प्राप्त करने के लिए कठिन परिश्रम करना होगा तभी वह अपने जीवनके निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त कर पायेगें।

**कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए डॉ. जे.के. मिश्रा जी ने कहा कि** आज के युवा विभिन्न प्रकार की मानसिक एवं शारीरिक समस्याओं से ग्रस्त है। इसका मुख्य कारण युवाओं में गलत खान–पान तथा अव्यवस्थित जीवनशैली है। जिसके कारण युवाओं में अवसाद तथा तनाव की समस्या एक सामान्य समस्या बन गई है। इस कारण बहुत सारे युवा गलत मार्ग पर चलने लगते हैं और नशे के आदी हो जाते हैं और उनको विभिन्न प्रकार की शारीरिक और मानसिक बीमारियां घेर लेती हैं तथा असमय ही उनका जीवन समाप्त हो जाता है। इससे बचने के लिए यह आवश्यक है कि वह बेहतर खान–पान और योग, व्यायाम, खेलकूद तथा अन्य रुचिकर एवं क्रियात्मक गतिविधियों में भाग ले जिससे उनको नई ऊर्जा एवं चेतना प्राप्त होगी तथा घर–परिवार, देश समाज के लिए उपयोगी एवं सार्थक सिद्ध होंगे।

**महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ओम प्रकाश सिंह ने कहा कि** विद्यार्थियों का समय–समय पर कॅरियर एवं स्वास्थ्य संबंधी परामर्श अत्यंत आवश्यक है क्योंकि इससे युवाओं को अपने अंदर पनप रही नकारात्मक विचारों पर नियंत्रण करने में सहायता प्राप्त होती है। परीक्षा के पूर्व इस तरह के परामर्श कार्यक्रम विद्यार्थियों में नई ऊर्जा का संचार करते हैं जिसमें वह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकते हैं यह उनके जीवन के लिए बहुत ही उपयोगी एवं सार्थक सिद्ध होगा।

**कार्यक्रम का आयोजन रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के प्रभारी डॉ. राम प्रसाद यादव ने किया इस अवसर पर आइ.क्यू.ए.सी. के समन्वयक प्रो. परीक्षित सिंह, हिंदी विभाग के प्रभारी प्रो. नित्यानंद श्रीवास्तव, राजनीति विज्ञान विभाग के प्रभारी श्री इंद्रेश पाण्डेय, सहित महाविद्यालय के शिक्षक डॉ. शैलेश कुमार सिंह, डॉ. सुभाष गुप्ता, डॉ. शुभ्रांशु शेखर सिंह तथा श्री विकास कुमार पाठक आदि उपस्थित रहे।**

**(डॉ.) शैलेश कुमार सिंह**
प्रभारी, मीडिया एवं जनसम्पर्क